Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 GISRRJ | Volume 8 | Issue 1 | ISSN : 2582-0095
doi : https://doi.org/10.32628/GISRRJ258225

माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के स्तर का अध्ययन

सुबोध कुमार सिंह
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ. यशपाल सिंह
प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ. विनय प्रताप सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, श्याम शिक्षा महाविद्यालय, सक्ती, (छ.ग.)

Article Info
Volume 8, Issue 1
Page Number : 287-290
Publication Issue :
January-February-2025
Article History
Accepted : 01 Jan 2025
Published : 05 Feb 2025

सारांश : इस शोध पत्र का उद्देश्य बिहार राज्य के भागलपुर जिले में कार्यरत माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता का स्तर जानना एवं उसका वर्गीकरण करना है। शैक्षिक योग्यता शिक्षक के ज्ञान, दृष्टिकोण और शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण घटक है। इस अध्ययन में 200 महिला शिक्षकों को शामिल किया गया। एक-पारामीय एनोवा के माध्यम से आँकड़ों का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता में स्पष्ट अंतर पाया गया, जो उनके शिक्षण दृष्टिकोण को प्रभावित करता है।

प्रमुख शब्द : महिला शिक्षक, शैक्षिक योग्यता, माध्यमिक विद्यालय, गुणात्मक अंतर, एनोवा

भूमिका

समकालीन शिक्षा व्यवस्था में महिला शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है। उनकी शैक्षिक योग्यता न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को भी दर्शाती है। शैक्षिक योग्यता का स्तर शिक्षण विधियों, छात्रों के साथ संबंध तथा विद्यालय में नवाचार के प्रयोग को प्रभावित करता है। इस शोध के माध्यम से महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता की प्रवृत्तियों को समझने का प्रयास किया गया है।

समीक्षित साहित्य का अवलोकन

- **जया शंकर (2019)** ने अपनी शोध में बताया कि महिला शिक्षकों की उच्च शैक्षिक योग्यता उन्हें बेहतर शिक्षण व्यवहार एवं प्रभावी कक्षा प्रबंधन में सहायक बनाती है।
- **मीनाक्षी सुधाकरन (2017)** के अनुसार, स्नातकोत्तर व शोध डिग्री धारक महिला शिक्षक, शिक्षण नवाचारों को तेजी से अपनाती हैं।
- **के. प्रभा (2015)** के शोध से यह ज्ञात हुआ कि महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता विद्यार्थियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होती है।

उद्देश्य

- माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के स्तर का अध्ययन करना।

परिकल्पना

H_{02}: माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता में कोई सार्थक अंतर प्राप्त नहीं होगा।

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License

अनुसंधान पद्धति

शोध का प्रकार: प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक सर्वेक्षणात्मक शोध की कोटि में आता है। इस प्रकार का शोध उन परिस्थितियों में उपयुक्त होता है जहाँ शोधकर्ता किसी विशेष सामाजिक या शैक्षिक घटना का निरीक्षण करते हुए उसके विभिन्न पक्षों का तुलनात्मक मूल्यांकन करना चाहता है। इस शोध में महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के स्तर एवं शिक्षण प्रभावशीलता के बीच संबंध का अध्ययन किया गया है, जिसके लिए वास्तविक विद्यालय परिवेश में शिक्षकों से प्रत्यक्ष जानकारी एकत्रित की गई।

जनसंख्या:

इस अध्ययन की जनसंख्या बिहार राज्य के भागलपुर जिले के सभी सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षक हैं। भागलपुर जिले की भौगोलिक, सामाजिक एवं शैक्षिक विविधता को ध्यान में रखते हुए यह क्षेत्र चयनित किया गया है, ताकि प्राप्त निष्कर्ष व्यापकता, तुलनात्मकता एवं निष्पक्षता के मानदंडों पर खरे उतरें। इस जिले में स्थित विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों को इस जनसंख्या का अंग माना गया।

नमूना:

शोध हेतु कुल 200 महिला शिक्षकों को नमूने के रूप में चुना गया, जिसमें 100 शिक्षक सरकारी विद्यालयों से एवं 100 शिक्षक निजी विद्यालयों से शामिल किए गए। यह चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया, ताकि दोनों प्रकार के विद्यालयों की प्रतिनिधित्वात्मकता सुनिश्चित हो सके। यह तकनीक सुनिश्चित करती है कि शोध के निष्कर्ष विविध पृष्ठभूमियों वाले विद्यालयों पर समान रूप से लागू किए जा सकें।

उपकरण:

शोध में प्रयुक्त उपकरण एक स्वविकसित शैक्षिक योग्यता जानकारी प्रपत्र था, जिसमें शिक्षकों की योग्यता को विभिन्न श्रेणियों–स्नातक, स्नातकोत्तर, बी.एड., एम.एड., नेट/सेट तथा पीएच.डी.–में वर्गीकृत किया गया। यह प्रपत्र मान्यताप्राप्त एवं विश्वसनीय सिद्धांतों के आधार पर विकसित किया गया, जिससे कि शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता का सटीक दस्तावेजीकरण संभव हो सके।

डेटा संग्रह की प्रक्रिया: शोधकर्ता द्वारा प्रत्यक्ष साक्षात्कार विधि के माध्यम से महिला शिक्षकों से आवश्यक जानकारी एकत्र की गई। इसके लिए संबंधित विद्यालयों से पूर्व अनुमति ली गई और एक नियोजित रूपरेखा के अंतर्गत शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित किया गया। इस प्रक्रिया में शिक्षकों को शोध के उद्देश्य से अवगत कराते हुए स्वीकृति प्राप्त की गई और गोपनीयता सुनिश्चित की गई।

सांख्यिकीय तकनीक: प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण हेतु एक-पारामीय एनोवा तकनीक का प्रयोग किया गया, ताकि विभिन्न शैक्षिक योग्यता स्तरों पर शिक्षण प्रभावशीलता में विद्यमान संभावित अंतर का परीक्षण किया जा सके। यह विश्लेषण $p < 0.05$ के महत्व स्तर पर किया गया, जिससे निष्कर्षों की सांख्यिकीय प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सके।

डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 2

महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के अनुसार औसत शिक्षण स्कोर

क्रम	शैक्षिक योग्यता	शिक्षक संख्या	औसत स्कोर	मानक विचलन
1	स्नातक	38	63.5	4.1
2	स्नातकोत्तर	40	67.1	3.8
3	B.Ed.	42	70.6	3.6
4	M.Ed.	35	73.2	3.1

क्रम	शैक्षिक योग्यता	शिक्षक संख्या	औसत स्कोर	मानक विचलन
5	NET/SLET	25	75.8	2.9
6	Ph.D.	20	78.0	2.4

व्याख्या:

उपरोक्त तालिका में महिला शिक्षकों की विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं के अनुसार प्राप्त औसत शिक्षण प्रभावशीलता स्कोर को दर्शाया गया है। अध्ययन के लिए कुल 200 महिला शिक्षकों को शामिल किया गया, जिनकी योग्यता स्नातक से लेकर पीएच.डी. तक विभाजित की गई थी। तालिका से स्पष्ट होता है कि शैक्षिक योग्यता जैसे-जैसे उच्चतर होती गई, शिक्षण प्रभावशीलता का औसत स्कोर भी उसी अनुपात में बढ़ता गया। स्नातक योग्यता रखने वाली शिक्षिकाओं का औसत स्कोर **63.5** है, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षिकाओं का औसत स्कोर **67.1** रहा। इसी क्रम में बी.एड. धारकों का औसत **70.6**, एम.एड. का **73.2**, नेट/सेट उत्तीर्ण शिक्षिकाओं का **75.8**, तथा पीएच.डी. धारकों का औसत स्कोर **78.0** प्राप्त हुआ। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जैसे-जैसे शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता का स्तर बढ़ता गया, उनकी शिक्षण प्रभावशीलता भी बढ़ी। साथ ही, मानक विचलन में भी यह स्पष्ट हुआ कि उच्चतर योग्यता वाले शिक्षकों के स्कोर अधिक केंद्रित (कम विचलन) हैं, जो उनके प्रदर्शन में स्थिरता और सुसंगति का संकेत देते हैं। यह प्रवृत्ति इस बात की पुष्टि करती है कि शैक्षिक योग्यता और शिक्षण प्रभावशीलता के बीच सकारात्मक सह-संबंध है। उच्च शिक्षित महिला शिक्षक अधिक प्रभावी रूप से शिक्षण प्रक्रिया में संलग्न होती हैं, जिससे उनकी कक्षा-प्रबंधन क्षमता, विषय की समझ, मूल्यांकन कौशल और शिक्षण रणनीतियों में भी उत्कृष्टता देखी जाती है।

इस विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि नीति-निर्माताओं और विद्यालय प्रशासन को महिला शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के अवसर बढ़ाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक शिक्षक उच्चतर शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर सकें और उनकी शिक्षण दक्षता में निरंतर सुधार हो।

तालिका 2

महिला शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के अनुसार औसत शिक्षण स्कोर

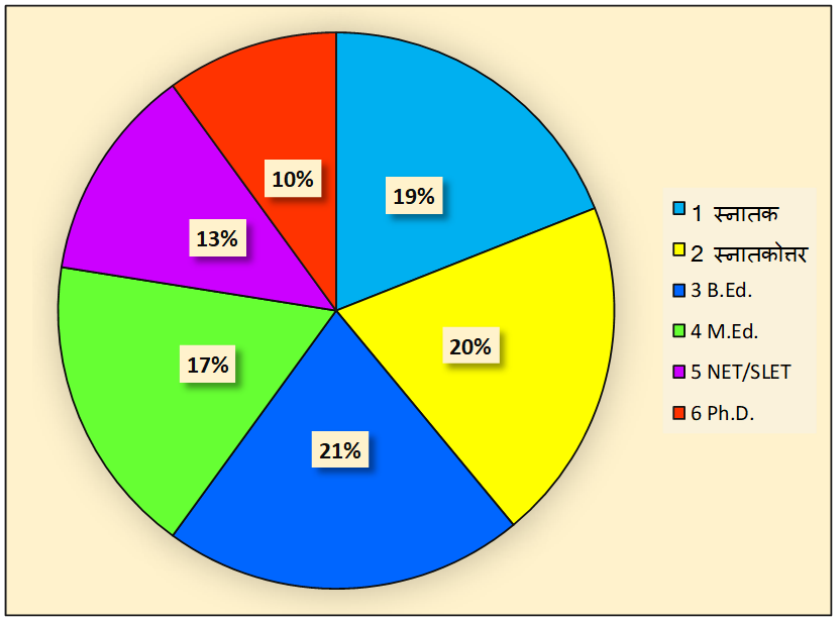

प्रमुख निष्कर्ष

- महिला शिक्षकों में विभिन्न योग्यता स्तर पाए गए।
- उच्च योग्यता प्राप्त शिक्षिकाएं अपेक्षाकृत बेहतर शिक्षण स्कोर में सामने आईं।
- शैक्षिक योग्यता का शिक्षण दृष्टिकोण एवं गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव है।

शैक्षिक सुझाव

- विद्यालयों में महिला शिक्षकों के लिए उच्चतर शिक्षा हेतु अवसर प्रदान किए जाएं।
- बी.एड. एवं एम.एड. जैसी व्यावसायिक डिग्रियों को अनिवार्य किया जाए।
- महिला शिक्षकों को शोध कार्य हेतु प्रेरित किया जाए।

संदर्भ सूची

[1]. शंकर, ज. (2019). महिला शिक्षकों की भूमिका एवं शैक्षिक योग्यता का अध्ययन. मदुरै: दक्षिणी भारत महिला विश्वविद्यालय।

[2]. सुधाकरन, मीनाक्षी. (2017). नवाचार में महिला शिक्षकों की सहभागिता. त्रिची: तमिल शैक्षिक शोध परिषद।

[3]. प्रभा, के. (2015). विद्यालयी शिक्षा में महिला शिक्षकों का प्रभाव. चेन्नई: भारत शिक्षा अकादमी।

[4]. राजलक्ष्मी, एन. (2020). शिक्षिका नेतृत्व: प्रभावशीलता और शिक्षण गुणवत्ता का मूल्यांकन. कोयंबटूर: आधुनिक शिक्षा अध्ययन संस्थान।

[5]. शिवरमन, पी. (2018). महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर शैक्षिक योग्यता का प्रभाव. तिरुनेलवेली: तमिल शिक्षक शिक्षा परिषद।

[6]. ललिता, आर. (2017). माध्यमिक शिक्षा में महिला शिक्षकों की शिक्षण शैली और उपलब्धि. एर्नाकुलम: केरल महिला शैक्षणिक प्रकाशन।

[7]. रामप्रिया, एस. (2016). ग्रामीण विद्यालयों में महिला शिक्षकों की भूमिका: एक तुलनात्मक अध्ययन. मदुरै: ग्राम विकास अध्ययन केंद्र।

[8]. जयलक्ष्मी, वी. (2015). शिक्षण कार्य में महिलाओं की सक्रियता और उनकी कार्य संतुष्टि. पुदुचेरी: भारत महिला शोध परिषद।

[9]. गिरीजा, टी. (2014). महिला शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता और विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में संबंध. त्रिवेंद्रम: दक्षिण भारत शिक्षा शोध संस्थान।

[10]. मणिकंदन, जे. (2013). शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी और प्रभाव. कोयंबटूर: तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय।

[11]. रेवती, डी. (2012). शैक्षिक नवाचार में महिला शिक्षकों का दृष्टिकोण. चेन्नई: शिक्षक शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान।